चले हैं गजराजा हमारे | By Ashu Verma

मूषक पे होके सवार चले रे गजराजा हमारे
कष्टों पे करके प्रहार चले रे गजराजा हमारे
भक्तों की सेवा का दे कर के मेवा
होके प्रसन्न चले गणपति देवा
खुशियां लुटा कर .....
खुशियां लुटा कर अपार चले हैं गजराजा हमारे
मूषक पे होके सवार चले हैं गजराजा हमारे
कष्टों पे करके प्रहार चले हैं गजराजा हमारे

जबसे गजानन घर में पधारे
अपने भी हो गए वारे न्यारे
जी भर इन्हे लूँ निहार चले हैं गजराजा हमारे
मूषक पे होके सवार चले हैं गजराजा हमारे
कष्टों पे करके प्रहार चले हैं गजराजा हमारे

हमने गजानन को जाने से रोका
आने का फिर से दिलाया भरोसा
भक्तों की सुनके पुकार चले रे गजराजा हमारे
मूषक पे होके सवार चले हैं गजराजा हमारे

अगले बरस जब आएंगे देवा
फिर से सफल होंगी हम सबकी सेवा
निश्छल करे जय जयकार चले रे गजराजा हमारे
मूषक पे होके सवार चले हैं गजराजा हमारे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-ashu-verma/